Title: Need to take steps to check the menace of Sickle Cell and Thalassemia diseases in Maharashtra. – Laid.

श्री हंसराज जी. अहीर (चन्द्रपुर): अध्यक्ष महोदय महाराट्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों से यह स्वयं स्पट है कि राज्य के करीब 2 करोड़ लोग सिकलसेल, थॅलेसेमिया, बिटा थॅलेसेमिया रोग से पीड़ित हैं। राज्य के 20 जिलों में रोगियों की बहुसंख्या है। इसमें विदर्भ के चंद्रपुर-गढचिरोली जिले में इस रोग से पीड़ितों की संख्या अधिक संख्या में है। सिकलसेल, थॅलेसेमिया जैसी जानलेवा लाइलाज बीमारी के बारे में पर्याप्त उपचार सुविधा के अभाव के कारण नहीं हो पा रहा है, जिससे रोगी मजबूरन काल ग्रसित हो रहे हैं।

सिकलसेल, थॅलेसेमिया रोग के उपचार हेतु हो रहे विश्वस्तरीय अनुसंधान तथा उपचार प्रणाली का इस क्षेत्र में उपयोग किया जाना जरूरी है। इसके लिए इस क्षेत्र के चिकित्सकों को उचित प्रशिक्षण तथा चिकित्सालयों में समुचित सुविधा उपलब्ध कराने तथा इस रोग को जड़ से मिटाने हेतु कारगर उपचार प्रणाली उपलब्ध कराये जाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के साथ उचित कदम उठाये जाने की आवश्यकता है।